Paper - III

MT

2017 1100

MT - HINDI (COMPOSITE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - SEMI PRELIM - I - PAPER - III

Time : 2 Hours **Preliminary Model Answer Paper** **Max. Marks : 40**

विभाग 1 - गद्य

उ.1. (क) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

1) उत्तर लिखिए ।

i) (1) ईमानदारी (2) नैतिकता **1**
(3) सत्य (4) अहिंसा

ii) (1) मानवधर्म (2) प्राणीधर्म **1**

2) i) **निम्नलिखित शब्दों के विरुद्धार्थी शब्द लिखिए ।** **1**
(1) नास्तिक × आस्तिक
(2) ईमानदारी × बेईमानी

ii) **निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए ।** **1**
(1) अनोखा - अद्‌भुत
(2) विद्‌यमान - उपस्थित

3) अनेकता में एकता भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता है। यहाँ की प्राकृतिक विभिन्नताओं को देखकर कोई भी कह सकता है कि भारत एक देश नहीं बल्कि देशों का समूह है। यहाँ कई धर्म और भाषाएँ प्रचलित हैं; लेकिन इन्ही विभिन्नताओं की तह में ऐसी एकता फैली है जो अन्य विभिन्नताओं को पिरोकर एक सुंदर समूह बना देती है। जिस प्रकार रेशमी धागा भिन्न-भिन्न प्रकार की अनेक रंगों की मणियों या फूलों को पिरोकर एक सुंदर हार बनाता है। उसी तरह हमारा भारत भी सभी भारतीयों को एकता के सूत्र में बाँध कर रखता है। हमारे रहन-सहन, खान-पान, वेश-भूषा, बोली-भाषा, धर्म-जाति अलग-अलग है फिर भी हम एक है। यही हमारे भारत की एकता का आधार है। **2**

उ.1. (ख) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

1) i) **उत्तर लिखिए ।** **1**
(1) रेलगाड़ी (सवारी गाड़ी) को।
(2) हर स्टेशन पर खड़ी होती है।

ii) **समझकर उत्तर लिखिए ।** 1

(1) क्या वह रेलगाड़ी की तरह तेज नहीं दौड़ सकता ?

(2) अवश्य दौड़ सकता है, वन में ऐसा कोई जानवर नहीं जो दौड़ में उसका मुकाबला कर सके।

2) i) **पर्यायी शब्द लिखकर आकृति पूर्ण कीजिए ।** 1

(1) सम्मान → आदर

(2) जंगल → वन

ii) **निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचानिए ।** 1

(1) स्त्रीलिंग (2) पुल्लिंग

3) अहंकार मनुष्य का विनाश कर देता है। अहंकारी मनुष्य अपने को सर्वोपरि और दूसरे को तुच्छ समझता है। इसी कारण वह समाज और परिवार से दूर हो जाता है। ईश्वर भी ऐसे व्यक्ति का साथ नहीं देता है। रावण, कंस आदि जितने भी अहंकारी हुए वे सब अपना विनाश खुद कर बैठे। इसलिए व्यक्ति को कभी अहंकार नहीं करना चाहिए। 2

विभाग 2 - पद्य

उ.2. **(च) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :** 2

1) **उत्तर लिखिए ।**

i) नगर नए बसाती है।

ii) नई बस्तियाँ बनाती है।

iii) कारवाँ सभ्यता के आगे बढ़ाती है।

iv) कही-अनकही सब तक पहुँचाती है।

2) **विरुद्धार्थी शब्द लिखिए ।** 1

i) नया × पुराना ii) आगे × पीछे

3) आज प्रदूषण जल, थल तथा आसमान हर जगह फैला हुआ है। देश में जल प्रदूषण का खतरा दिनों-दिन बढ़ता ही जा रहा है। भारी मात्रा में औद्योगिक कचरा, कूड़ा-करकट, मल-मूत्र आदि नदियों और समुद्र में डाल दिया जाता है। झीलें भी इस गंदगी से बची नहीं हैं। इसी कारण जलीय वनस्पतियाँ, मछलियाँ और अन्य जीव-जंतु बड़ी संख्या में मरने लगे हैं। प्रदूषित जल से सिंचाई के कारण पैदावार भी नष्ट हो रही है। जल-प्रदूषण के अतिरिक्त वायुप्रदूषण तथा ध्वनिप्रदूषण भी मानव जीवन के लिए खतरनाक है। पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए हमें प्रदूषण के सभी कारणों को दूर करना होगा। 2

उ.2.	**(छ) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-**	
1)	i) **उत्तर लिखिए ।** (1) स्वतंत्रता-दिवस। (2) इंद्रधनुष की। (3) बाजे-शहनाई।	1
	ii) **उचित क्रम लगाइए।** (1) घर-घर उड़ने लगे तिरंगे.... (2) सौ-सौ इंद्रधनुष निकले हों.... (3) बजते हैं बाजे-शहनाई....	1
2)	**विरुद्धार्थी शब्द लिखिए।** i) खुशी × दुख ii) नया × पुराना	1
3)	भारत में दो राष्ट्रीय त्योहारों का आयोजन किया जाता है - स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस। 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस पूरे देश में हर्ष और उल्लास से मनाया जाता है। लोग बड़े उत्साह से झंडा-वंदन के कार्यक्रमों में भाग लेते हैं। 26 जनवरी का दिन देशप्रेम तथा राष्ट्रीयता की नई लहर पैदा करता है। स्कूलों और कालेजों में राष्ट्रध्वज फहराने के साथ ही तरह-तरह के कार्यक्रम होते हैं।	2
	विभाग 3 - व्याकरण	
उ.3.	**पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-**	
1)	**मानकवर्तनी के अनुसार शुद्ध शब्द पहचानिए :-** i) बहुमूल्य ii) अद्‌वितीय	1
2)	i) **निम्नलिखित अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए :-** पर्यटन से मनोरंजन ही नहीं होता, **बल्कि** ज्ञान भी बढ़ता है ।	1
3)	i) **काल पहचानिए :-** अपूर्ण भूतकाल	1
	ii) **काल परिवर्तन कीजिए :-** मेहमान पहली बार आ रहा था ।	1

4) i) **अंको का उपयोग करके दो मुहावरे लिखिए ।** **1**

वैसे - (1) उन्नीस - बीस का अंतर होना ।

(2) दो - दो हाथ करना ।

ii) **निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** **1**

दम तोड़ना - मर जाना ।

वाक्य - सरहद पर लड़ते - लड़ते घायल सैनिक ने **दम तोड़ दिया** ।

विभाग 4 - रचना

उ.4. **1) निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए ।** **4**

रमा चिटणीस
10/405, महावीर पथ,
सांगली ।
दिनांक - 5 मार्च, 2017 ।

सेवा में,
श्रीमान व्यवस्थापक जी,
सूरज पुस्तक भंडार,
लक्ष्मी पथ,
पुणे ।

विषय :- पुस्तकों की माँग हेतु प्रार्थना पत्र ।

माननीय महोदय,

आपके द्वारा भेजा गया सूचीपत्र प्राप्त हुआ। मुझे जिन पुस्तकों की आवश्यकता है,वे सभी पुस्तकें आपके यहाँ उपलब्ध हैं ।

कृपया पत्र पाते ही निम्नलिखित पुस्तकें ऊपर लिखे पते पर शीघ्र मूल्यदायिका (वी.पी.पी.) डाक द्वारा भेजने की कृपा करें ।आपकी शर्त के अनुसार पचास रुपए का
पोस्टल आर्डर पत्र के साथ भेज रही हूँ । शेष रकम पुस्तक मिलते ही अदा कर दी जाएगी ।

पुस्तकों की सूची इस प्रकार है ।

क्र.	पुस्तकों का नाम	लेखक	प्रतियाँ
1.	गोदान	प्रेमचंद	10
2.	राष्ट्रपिता	पंडित जवाहरलाल नेहरू	5
3.	मालती जोशी की कहानियाँ	मालती जोशी	5

कष्ट के लिए क्षमाप्रार्थी हूँ ।
धन्यवाद !

भवदीया,
रमा चिटणीस ।

टिकट

सेवा में,
श्रीमान व्यवस्थापक जी
सूरज पुस्तक भंडार,
लक्ष्मी पथ,
पुणे।

प्रेषक
रमा चिटणीस,
10/405, महावीर पथ
सांगली।

2) सरल हिंदी में अनुवाद कीजिए । **4**

i) हम हिंदू हों या मुसलमान, हम सब भारतीय हैं ।
ii) सुख का साथी हमें संकट में छोड़ देता है ।
iii) मीठी जबान सफलता की कुंजी है ।
iv) अकाल के समय एक टुकड़ा रोटी भी बहुत कीमती होता है ।

3) निम्नलिखित प्रसंग पर लगभग 60 से 80 शब्दों में अपने विचार लिखिए । **4**

परिवार जनों के साथ मैं अवकाश के दिनों में घुमने गया था । प्रेक्षणीय स्थल दर्शन के लिए हम निकल पड़े थे । मन में कई सारी भावनाएँ थीं । लेकिन वहाँ पहुँचकर प्रेक्षणीय स्थल की सुंदरता, स्वच्छता और अनुशासन देखकर मैं काफी प्रभावित हुआ और मेरे मन में विचार आए कि काश ! पुरा भारत ऐसे ही सुंदर और स्वच्छ होता । हम भारत वासियों को ऐसे ही अनुशासन में रहकर पूरे भारत को स्वच्छ व सुंदर बनाना चाहिए । हमें कूड़ा - करकट यथा स्थान पर फेंकना चाहिए । विशेषकर सार्वजनिक स्थलों, जहाँ पर लोगों का आना - जाना लगा रहता है, अपने घरों के आसपास स्टेशनों, विद्यालयों, धार्मिक स्थलों आदि के पास कहीं भी किसी प्रकार की गंदगी नहीं करनी चाहिए। एक दूसरे को स्वच्छता के प्रति जागरुक करना चाहिए । अनुशासन में रहते हुए सुलभ शौचालयों, कुड़ेदानों का प्रयोग करना चाहिए, जिससे गंदगी के साथ ही बीमारियों से बचा जा सके । हमें पूरे तन - मन से देश को सुंदर और स्वच्छ बनाने में जुट जाना चाहिए ।

❖❖❖❖